

वृत्तिलिपि आदेशा दिनांक 17-6-14 पारित द्वारा श्री आर्क रिक्लेरे
सदस्य राजस्व मण्डल म०पु० ग्वाल्हियर पु०पु० निगा० 1416-तोन/14
विरुद्ध आदेशा दिनांक 24-2-14 पारित द्वारा अनविभागीय अधिकारी
बधिरिया जिला अमोह म०पु० पु०पु० 78/अ-5/12-15.

आयमाण्ड सामेन्टस पु०

हाइड्रोलबर्ग सामेट इडिया लिमि०

साकिन नरसिंहगढ जिला अमोह म०पु०

-- आक्कद

विरुद्ध

1- रिजई कुमॉ पिता ओबोल कुमॉ

निवासी ग्राम सतपारा तहसील बधिरिया

जिला अमोह म०पु० अन्य-1

--- अनावेदकगण

राजरव मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 1416 / 111 / 2014

जिला दमोह

स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों
के हस्ताक्षर

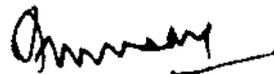
17.6.14

यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी पथरिया जिला दमोह द्वारा प्रकरण क्रमांक 78 अ 5/12-13 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 24-2-14 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

3/ आवेदक के अभिभाषक के अनुसार अनावेदक क-1 तिजई पुत्र छोटेलाल कुर्मी निवासी ग्राम सतपारा ने आवेदक के विरुद्ध तहसीलदार पथरिया द्वारा प्रकरण क्रमांक 56 अ 6/12-13 में पारित आदेश दिनांक 11-6-13 के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की थी जो विलम्ब से थी। विलम्ब क्षमा करने हेतु अवधि विधान की धारा-5 का आवेदन दिया गया, और विलम्ब के समुचित व पर्याप्त कारण न होना बताते हुये अनुविभागीय अधिकारी से अवधि विधान की धारा-5 का आवेदन निरस्त करने की मांग की गई, किन्तु अनुविभागीय अधिकारी ने जानबूझकर अवधि विधान की धारा-5 का आवेदन स्वीकार करने में भूल की है इसलिये अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 24-2-14 के विरुद्ध निगरानी सुनवाई हेतु ग्राह्य की जावे।

4/ आवेदक के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के क्रम में प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से विचार योग्य बिन्दु है कि अनुविभागीय अधिकारी पथरिया ने अंतरिम आदेश दिनांक 24-2-14 से उनके

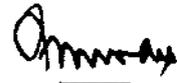


समक्ष प्रस्तुत अपील में विलम्ब क्षमा करने की त्रुटि की है ?

1. भू राजस्व संहिता 1959 (म.प्र.)-धारा 47 एवं परिसीमा अधिनियम, 1963- धारा 5 - पर्याप्त कारण होने से न्यायालय बैवेकिक अधिकारिता का प्रयोग कर विलम्ब क्षमा कर सकता है- उद्घोषणा तथा समन विधि के अनुसरण में नहीं होने पर विलम्ब माफ किया जायेगा।
2. परिसीमा अधिनियम, 1963- धारा 5 एवं भू राजस्व संहिता 1959(म.प्र.) -धारा 47 - सामान्यतः तकनीकी आधार पर मामले के गुणागुण की उपेक्षा नहीं की जाना चाहिये एवं पर्याप्त कारण पाये जाने पर उदार-रुख अपनाया जाकर विलम्ब क्षमा करना चाहिये।

अनुविभागीय अधिकारी के अंतरिम आदेश दिनांक 24-2-14 के अवलोकन से पाया गया कि उन्होंने अनावेदक कमांक 1 की ओर से अवधि विधान की धारा-5 में दिये गये कारण समाधानप्रद पाने के आधार पर विलम्ब क्षमा करने में त्रुटि नहीं की है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। फलतः अनुविभागीय अधिकारी पथरिया जिला दमोह द्वारा प्रकरण कमांक 78 अ 5/12-13 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 24-2-14 स्थिर रहता है। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।


सदस्य

5